सोमवार

10 नवम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 276
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

वकीलों का गुस्सा फूटा- दो घंटे कोर्ट बंद!

संवाददाता

देहरादून। निशुल्क चैबर देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर अधिवक्ताओं ने दो घंटे तक धरना दिया।

आज यहां बार एसोसिएशन के आहवान पर अधिवक्ता ने कार्य से विरत रहकर धरना दिया। अधिवक्ताओं का कहना था कि पुराने जिला जज वाली भूमि को अधिवक्ताओं को आवंटित की जाये तथा नये चैम्बर अधिवक्ताओं को सरकार के द्वारा बनाकर दिये जायें।

सम्पर्क करने पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल ने बताया कि अधिवक्ता काफी समय से मांग कर रहे थे कि कचहरी पुरानी जेल परिसर में जा रही है। जिसमें अधिवक्ताओं के लिए चैम्बर बनाये जाने है। जिसके लिए प्रदेश सरकार को अधिवक्ताओं की स्थिति को ध्यान में रखते हुए चैम्बर बनाकर देने चाहिए। इसके साथ ही जिलाधिकारी पुराने कार्यालय की जमीन भी बार एसोसिएशन को आवंटित करनी चाहिए अपनी इन्हीं मांगों को लेकर आज अधिवक्ताओं ने दो घंटे कार्य से विरत रहते हुए धरना दिया है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही कल 11 नवम्बर को दोपहर एक बजे तक धरना दिया जायेगा। इसके पश्चात भी अगर

उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो कल के धरने के बाद आगे की रणनीति तय की जायेगी।

उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बार एसोसियेशन की मांगों को लगातार अनदेखा किया जा रहा है। कहा कि आज अधिवक्ताओं ने उत्तराखण्ड सरकार के विरोध में सांकेतिक रूप से रोष प्रकट किया है। अगर हमारी सुनवाई नहीं हुई तो हम और उग्र आंदोलन पर बाध्य होगें, जिसमें शहर बंद कराने से लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जायेगा।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर के पास धरना दिया। धरने पर बैठने अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, दीपक कुमार, अजय त्यागी, राजेश ममंगाई, विजय भूषण पाण्डे, राकेश गुप्ता, राजवीर सिंह, गोविन्द राम, विपुल नौटियाल, चन्द्रशेखर तिवारी आदि शामिल रहे।

प्रधानमंत्री का उत्तराखंड दौरा निराशाजनकः कांग्रेस

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराखंड दौरा निराशाजनक रहा। प्रधानमंत्री ने दौरे के दौरान उत्तराखंड के हित में कोई भी घोषणा न करके उत्तराखण्ड की जनता का अपमान किया है।

यह बात आज उत्तराखंड कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि उत्तराखंड राज्य विगत कई वर्षो से दैवीय आपदा के दंश से कराह रहा है उसके विकास के लिए प्रधानमंत्री द्वारा किसी भी पैकेज की घोषणा न करना यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उत्तराखण्ड राज्य की पीडा से कोई लेना देना नही है। 2025 के बरसात के मौसम मे आई दैवीय आपदा के बाद प्रधानमंत्री का उत्तराखंड राज्य का यह पहला दौरा था, बेहतर होता कि प्रधानमंत्री आपदा से तबाह हुए जनपदों के विकास के लिए यथोचित धनराशि स्वीकृत करने की घोषणा करते, परन्तु ऐसा न करके प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड राज्य की सवा करोड जनता का उपहास उड़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व में भी जब-जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तराखण्ड आये। उन्होने हमेशा उत्तराखण्ड की उपेक्षा करने का काम किया है। राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य के हित में कोई भी घोषणा न करके निश्चित रूप से जनभावनाओं पर कुठाराघात करने का काम किया है।

❑राज्य हित में कोई घोषणा न करना जनता का अपमानः डॉ. प्रतिमा

डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा में जबरन भीड़ जुटाने के लिए जिस प्रकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया वह भी किसी से छिपा नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास था कि जिस तरह उत्तराखंड की जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के 5 सांसदों को विजय दिलाई तथा 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई से अधिक बहुमत देकर उत्तराखण्ड राज्य की सत्ता सौंपी उससे लग रहा था कि आपदा ग्रस्त राज्य की आपदा से तबाह हो चुकी परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तराखंड राज्य हित में केन्द्र सरकार की तरफ से कोई महत्वपूर्ण घोषणा करेंगें, परन्तु ऐसा न करके प्रधानमंत्री ने पुनः एक बार फिर उत्तराखण्ड की जनता को ठगने और छलने का ही काम किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बिहार से बदलेगी राजनीति

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान खत्म हो चुका है। दो चरणों में होने वाले मतदान के बाद अब सभी की नजरे सिर्फ इसके नतीजों पर ही रहेगी। बिहार के इस चुनाव के परिणाम देश की भावी राजनीति की दिशा और दशा को तय करने वाले हैं। इस बात की चर्चाएं बहुत पहले से ही जारी थी लेकिन चुनाव निपटते-निपटते इन चर्चाओं में तमाम अन्य तथ्यों के शामिल होने से न सिर्फ इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा दिया है अपितु नेताओं की धड़कनों को भी बढ़ा दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिनकी पार्टी के बारे में कहा जाता है कि उसे सीट कितनी भी कम या ज्यादा मिले लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। इस बार भाजपा उनके इस मंसूबे को पूरा नहीं होने देना चाहती है। इस सत्य और तथ्य को नीतीश बाबू भी बहुत अच्छे से और बहुत पहले से जान चुके हैं। एनडीए के साथ मिलकर उनका चुनाव लड़ना भले ही उनकी मजबूरी रहा हो लेकिन भाजपा उनके वजूद को महाराष्ट्र की शिवसेना की तर्ज पर खत्म कर सकेगी यह इतना आसान भी नहीं है। भाजपा के नेता भले ही इस बार नीतीश कुमार का वर्चस्व तोड़ने और अपना मुख्यमंत्री बनाने के इरादे से चुनाव मैदान में उतरे हों और एनडीए ने अपना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित न किया हो लेकिन नीतीश कुमार से बड़ा कोई दूसरा खिलाड़ी बिहार में हो ऐसा भी नहीं है। बिहार चुनाव में दूसरे चरण के मतदान से पूर्व ही तीर और लालटेन एक ही बात है जैसे जुमले अगर चर्चाओं में है तो दूसरी ओर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश के बीच चुनाव परिणामों के मनमाफिक न आने और भाजपा का खेल बिगड़ाने की चर्चाएं भी आम है। दरअसल दूसरे दौर का मतदान इस चुनाव के नतीजे तय करने वाला है। जिन 121 सीटों पर मतदान होना है उनमें से भाजपा ने पिछले चुनाव में 70 सीटों पर जीत दर्ज की थी। रही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जादू की तो इस चुनाव में उनका जादू कोई काम करता नहीं दिख रहा है भाजपा को भरोसा है कि महिलाओं और युवाओं के खातों में जो 30,000 करोड़ की रकम चुनाव से पूर्व डाली गई है उसे लेकर भाजपा यह माने बैठी है कि यह सौगात ही उसे चुनाव जिताने के लिए काफी है। इन मुफ्त की रेवड़ियों का कितना फायदा उसे मिल पाता है। यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे। वोट चोरी के मुद्दे ने भाजपा को इस चुनाव में बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मोदी और शाह की जनसभाओं और रैलियो में कुर्सियां खाली होने की तस्वीरें आ रही है तथा नीतीश के काफिले पर लोग कीचड़ और गोबर फेंक रहे हैं। उससे उनकी स्थिति जमीन पर तो मजबूत नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी का चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने से 2 दिन पूर्व ही प्रचार से हट जाने से भी लोग यही अनुमान लगा रहे हैं कि या तो भाजपा ने अपनी पहले ही हार मान ली है या फिर उसे अपने चुनावी मैनेजमेंट पर पूरा भरोसा है कि चुनाव तो वही जीतेंगे। इसके अलावा जो सबसे अधिक चर्चा का विषय है वह है भाजपा की बिहार हार के साथ ही केंद्र में भी उनकी सत्ता का पतन अथवा क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व समाप्ति का उद्घोष। परिणाम क्या होंगे इसके लिए थोड़ा इंतजार जरूर करना है। लेकिन परिणाम चाहे कुछ भी रहे बिहार विधानसभा का वर्तमान चुनाव बिहार ही नहीं देश की राजनीति का भी नया अध्याय लिखने वाला साबित होने वाला है इसमें किसी तरह का कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी और नीतीश कुमार के साथ ही यह चुनाव राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के राजनीतिक भविष्य की नई पटकथा लिखने जा रहा है।

शराब तस्करी में टैक्सी चालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। टैक्सी चलाने की आड़ में शराब तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से दो पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शराब तस्करी की एक सूचना के बाद थाना जाजरदेवल पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को वड्डा क्षेत्र में एक संदिग्ध टैक्सी आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो टैक्सी चालक टैक्सी को भगाने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान टैक्सी में रखी दो पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में चालक ने अपना नाम हर सिंह पुत्र स्व. चंचल सिंह, निवासी गोड़ीहाट, थाना झूलाघाट, जनपद पिथौरागढ़ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

शहरी क्षेत्रों में यूसीसी के कम पंजीकरण होने पर रुकेगा वेतनः डीएम

हमारे संवादाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज जिला कार्यालय सभागार में सीएम हेल्पलाइन, जिला योजना, यूसीसी के अंतर्गत पंजीकरण कार्यों की गहनता से समीक्षा की।

यूसीसी के अंतर्गत चल रहे पंजीकरण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निकायों में अपेक्षाकृत कम पंजीकरण होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नवम्बर माह में पंजीकरण कार्य में तेजी न आने पर निकायों के संबंधित अधिकारियों का माह नवम्बर का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि नगर निकाय क्षेत्रों के जिन वार्डों में शत-प्रतिशत पंजीकरण कार्य पूरा हो चुका हों, उन क्षेत्रों के सभासदों एवं पार्षदों को सम्मानित किया जाए।

जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि समस्याओं का निस्तारण करते समय संबंधित शिकायतकर्ता से भी बात की जाए तथा समस्याओं का निस्तारण सरलीकरण, समाधान एवं संतुष्टि के आधार पर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट

निर्देश दिए कि समस्याओं को अनावश्यक लंबित न रखा जाएं। उन्होंने समस्याओं के निस्तारण में समयबद्ध पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने ग्रामीण निर्माण विभाग के अभियंताओं को स्कूलों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल्स के शौचालयों की सफाई व्यवस्था हेतु विशेष व्यवस्था करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश जिला पंचायतराज अधिकारी को दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रखने एवम् मोबाइल की लत छुड़वाने हेतु ग्राम पंचायतों में छोटे- छोटे खेल मैदान विकसित करने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने खेल मैदान विकसित करने हेतु खनन प्रभावित 100 ग्राम पंचायतों चिन्हित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित दिए कि जनपद विद्युत चोरी कर, सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने वाले के विरुद्ध निरंतर छापेमारी की जाए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ.ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी फिंचाराम चौहान, सीएमओ डॉ. आरके सिंह, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, अपर परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरंग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति ने किया वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती के उपलक्ष्य में क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का 15वाँ वृक्षारोपण अभियान महिंद्रा इंटरनेशनल स्कूल, पंडितवाड़ी, देहरादून में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 15 से 20 वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों में चम्पा, नीम, कनेर, पुलम, गुड़हल इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

समिति द्वारा इस वर्ष अभी तक 2400 से अधिक वृक्षों का रोपण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। महिंद्रा इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन श्री राजेश गुप्ता ने समिति से अपने स्कूल के खाली पड़े मैदान ने वृक्षारोपण किए जाने हेतु समिति से आग्रह किया जिसे स्वीकार करते हुए समिति ने यहां उत्तराखंड राज्य की रजत

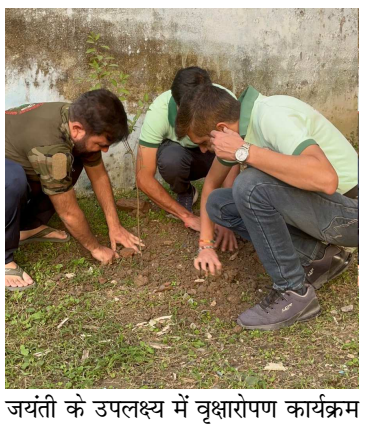

जयंती के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया।

बीते माह में उत्तराखंड और देहरादून में अत्यधिक वर्षा के कारण प्रकृति को बहुत नुकसान पहुंचा है जिसकी भरपाई समिति क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट द्वारा वृक्षों को लगाकर किया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा समिति के प्रयासों की सराहना की गई और लगाए गए वृक्षों

की देखरेख करने का वायदा किया गया।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, संयोजक दीपक वासुदेव, राजेश बाली, दीपक सिंह तथा प्रकाश गोदियाल उपस्थित रहे। साथ ही स्कूल के चेयरमेन राजेश गुप्ता तथा प्रिंसिपल श्रीमती सोनाक्षी गुप्ता उपस्थित रहे।

श्री महाकाल सेवा समिति ने किया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष में श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा तुलसी मंदिर प्रतिष्ठान तिलक रोड़ में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

समिति के संरक्षक भागवताचार्य सुभाष जोशी व सुधीर जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया जिसमें भारी संख्या में क्षेत्र वासियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया की उनकी समिति द्वारा पिछले दो वर्षों से तिलक रोड के पास मन्नु गंज छेत्र में एक धर्मार्थ औषधालय का भी संचालन किया जा रहा है जिसमें क्षेत्रवासी समय समय पर स्वास्थ्य लाभ लें रहे हैं। इसी के निमित वर्ष में दो से तीन बार स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें आज डाक्टर बिरेन्द्र मेहरा, डाक्टर

नितिन अग्रवाल, डाक्टर भंडारी, डॉक्टर युद्धवीर सिंह, डाक्टर गोविंद, डॉक्टर के एम उनियाल द्वारा ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ई सी जी, व अन्य कई रोगों का उपचार वा निशुल्क दवाइयां दी गई।

इस दौरान शिविर में आए हुए राज्य आंदोलनकारी संदीप गुप्ता व मनोज उनियाल का समिति के सदस्यों ने अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया। इस दौरान समिति के बालकिशन शर्मा, एडवोकेट संजीव गुप्ता, डॉक्टर नितिन अग्रवाल, राहुल माटा ,आयुष जैन, गौरव जैन, विनय प्रजापति, हेमराज अरोड़ा, विक्रम चौधरी, सुमित बंसल, सुशील वाधवा ,शिवकुमार, सुरेश रावत, कृतिका राणा, अनुष्का राणा ने अपनी सेवाएं दी।

सर्दियों में क्राप हुडी पहनकर आप दिखेंगी सुंदर!

सर्दी के मौसम ने दस्तक दे दी है, जो गर्म कपड़े निकालने का समय है। इस मौसम में महिलाएं स्वेटर, जैकेट और हुडी जैसे कपड़े पहनना पसंद करती हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों से क्राप हुडी महिलाओं की पसंदीदा बन गई हैं। ये छोटी हुडी होती हैं, जिनकी लंबाई पेट तक होती है। ये कपड़ा कई अलग-अलग डिजाइन और टेक्सचर में उपलब्ध रहता है। आज फैशन टिप्स में जानिए आप क्राप हुडी को किन तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

वाइड लेग जींस के साथ पहनें

क्राप हुदी के साथ जो बाटम वियर सबसे अच्छा लगेगा, वह है वाइड लेग जींस। ये जींस ढीली-ढाली, चौड़े पैर वाली और हाई वेस्ट वाली होती हैं। ये जींस इन दिनों सबसे ज्यादा वायरल हैं, जो कार्गो, पैंट और अन्य डिजाइन में उपलब्ध रहती हैं। ज्यादातर रंगों वाली क्राप हुडी के साथ नीली जींस बढ़िया लगती हैं। इस तरह के आउटफिट के साथ स्नीकर्स या क्राक्स पहनकर आप सबसे सुंदर दिखेंगी।

मिनी स्कर्ट के साथ पेयर करें

अगर आप सर्दियों में किसी डेट पर जा रही हैं तो क्राप हुडी के साथ मिनी स्कर्ट पहनकर देखें। अगर आप सही तरह से इसे स्टाइल करेंगी तो ठंड में भी यह बाटम वियर पहना जा सकता है। सबसे पहले पैरों में फ्लीस लेगिंग पहनें, जो गर्माहट प्रदान करती हैं। इसके ऊपर स्कर्ट पहनें और लंबे बूट्स स्टाइल करें। इस तरह के लुक के साथ मैरून, नारंगी, लाल या काले रंग की क्राप हुडी सबसे अच्छी लगेंगी।

ट्रैक पैंट के साथ लगेगी सुंदर

अगर आप एक कैजुअल लुक पाना चाह रही हैं तो क्राप टाप के साथ ट्रैक पैंट शानदार लगेंगी। ट्रैक पैंट हल्की एथलेटिक पैंट होती हैं, जिन्हें आम तौर पर जागिंग आदि के दौरान पहना जाता है। आप ग्रे रंग की ट्रैक पैंट के साथ ग्रे क्राप हुडी पहन सकती हैं। आपको इस बाटम वियर के साथ चेन वाली हुडी पहननी चाहिए, जो हल्की ढीली हो। इसके साथ आप कोई भी कैजुअल चप्पल पेयर कर सकती हैं।

लेगिंग के साथ स्टाइल करें

क्राप हुडी को स्टाइल करने का एक और अच्छा तरीका है उसे लेगिंग के साथ पेयर करना। इस बाटम वियर को टाइटस भी कहते हैं, जो पैरों से चिपका हुआ होता है। इसे पालिएस्टर, नायलान और स्पैंडेक्स जैसे कपड़ों से बनाया जाता है, ताकि ये खिचने योग्य हो। यह लुक इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में है, जिसे अभिनेत्रियों ने वायरल किया है। इसके साथ ऊनी टोपी पहनें और बड़े जूते स्टाइल कर लें।

शार्ट्स या जोर्ट्स के साथ पहनकर देखें

सर्दी होने के बावजूद भी आप क्राप हुडी के साथ शार्ट्स या जोर्ट्स पहन सकती हैं। अगर आप हल्की ठंड वाले इलाके में रहती हैं तो ऐसे ही शार्ट्स और जोर्ट्स स्टाइल कर लें। हालांकि, अगर आपके इलाके में ज्यादा ठंड है तो इन बाटम वियर के नीचे फ्लीस लेगिंग पहन लें। इस लुक के साथ मोजे और स्नीकर्स पेयर करें और बैकपैक कैरी कर लें। इन तरीकों से क्राप हुडी पहनकर आप सबसे अलग और खास लगेंगी।

जिम से आने के बाद न करें ये भूल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में फिट्नेस के लिए जिम जाते हैं. लेकिन ये जरूरी नहीं कि जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद कोई बदलाव नजर आए। ऐसा इसलिए होता है कि जिम में वर्कआउट करते समय या बाद में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिससे पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। शरीर में बदलाव लाने के लिए जरूरी है कि जिम में या जिम के बाद कुछ गलतियों को नहीं करना चाहिए।

शरीर में जल्दी बदलाव लाने के लिए वर्कआउट करने के बाद सप्लीमेंट लेना आम बात हो गई है लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। सप्लीमेंट सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। सप्लीमेंट की बजाय दूसरी हेल्दी चीजों को तवज्जो देनी चाहिए।

जिम में वर्कआउट करने के बाद प्रोटीन का सेवन करना फायदेमंद साबित होता है. लेकिन जिम में वर्कआउट करने के बाद भूलकर भी कार्बोहायड्रेट मिली चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत कार्डियो एक्सरसाइज से करनी चाहिए लेकिन इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि वर्कआउट करने के बाद कार्डियो एक्सरसाइज ना करें। शुरुआत में कार्डियो एक्सरसाइज करने के बाद नियमित एक्सरसाइज करनी चाहिए। कई बार एक्सरसाइज खत्म करने के बाद शरीर में दर्द रहता है। इससे निजात पाने के लिए स्ट्रेचिंग करना काफी फायदेमंद साबित होता है। वर्कआउट करने के बाद या कार्डियो एक्सरसाइज करने के बाद स्ट्रेचिंग करनी चाहिए। इससे वर्कआउट खत्म करने के बाद शरीर में दर्द की शिकायत नहीं होती है।

एक्सरसाइज खत्म करने के बाद शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक का काफी लोग इस्तेमाल करते हैं लेकिन ये शरीर के लिए सही नहीं है। स्पोर्ट्स ड्रिंक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी की पूर्ति तो कर देता है लेकिन इसमें शुगर होने के कारण शरीर में अतिरिक्त कैलोरी आ जाती है। स्पोर्ट्स ड्रिंक की बजाय नारियल पानी फायदेमंद रहता है।

कई लोग वर्कआउट करने के बाद कितनी कैलोरी बर्न की है, उस हिसाब से जंक फूड या दूसरी चीजें खाते हैं जो कि सही नहीं इससे फैट में बढ़ोतरी होती है।

सेहत के लिए फायदेमंद है अखरोट, बादाम और मूंगफली

यह तो आप जानते ही होंगे कि ड्राई फ्रूट्स में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं। इनमें कई विटमिन, मिनरल्स, कैल्शियम और अनसैचुरेटेड फैटी ऐसिड होते हैं। इसलिए कहा जाता है कि हर रोज आपको ये ड्राई फ्रूट्स खाने चाहिए। नट्स सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं लेकिन अगर आपको डायबिटीज है तो आपको कुछ सावधानी बरतनी पड़ेगी। कुछ नट्स आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं, वहीं कुछ नट्स ऐसे हैं जो आपको ब्लड शुगर मेनटेन रखने में मदद करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार बादाम खून में ग्लूकोज लेवल को मैनेज करने में मदद करता है। यह स्ट्रेस को भी कम करता है जो डायबिटीज और हार्ट डिजीज का प्रमुख कारण है। कच्चा बादाम खाना बेस्ट है। चाहें तो इसे रात भर भिगोकर भी खा सकते हैं। सॉल्टेड बादाम से परहेज करें। अखरोट में ज्यादा कैलरी होती है। पिस्ता ऐनर्जी से भरपूर होता है। इसमें अच्छी मात्रा में प्रोटीन और अच्छे फैट्स होते हैं। अध्ययन के अनुसार पिस्ता डायबिटीज के मरीजों को ब्लड शुगर मेनटेन करने में भी मदद करता है। हालांकि, सॉल्टेड पिस्ता खाने से बचें। हर रोज फ्रूट सलाद के साथ मुट्ठी भर पिस्ता लें। मूंगफली में अच्छी मात्रा में प्रोटीन और फाइबर होता है। यह वजन कम करने में भी मदद करता है और दिल की बीमारी का रिस्क भी कम करता है। जरा सा अखरोट खाकर भी आप ज्यादा देर तक फुल रह सकते हैं।

कुछ रिसर्च में यह भी देखा गया है कि अखरोट खाने वालों में डायबिटीज होने का खतरा कम होता है।

वर्टिगोः जानिए इसके कारण, लक्षण और इलाज

अगर चलते-चलते आपका सिर घुमने लगता है या शारीरिक संतुलन बनाए रखने में समस्या होती है तो ये वर्टिगो के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कई लोगों को वर्टिगो के बारे में पता नहीं चलता और स्थिति गंभीर होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आपको इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें पता हों, ताकि वक्त रहते इसका इलाज किया जा सके। चलिए आज वर्टिगो के कारण, लक्षण और इलाज के उपाय जानते हैं।

वर्टिगो के लक्षण

वर्टिगो कोई बीमारी नहीं, बल्कि कई बीमारियों का लक्षण है। चक्कर आना, ठीक से सुनाई न देना, धुंधला दिखना, सिरदर्द और बोलने में परेशानी होना वर्टिगो के मुख्य लक्षणों में शामिल समस्याएं हैं। थकान महसूस करना, मतली और कान से जुड़ी परेशानी होना भी वर्टिगो के लक्षण हो सकते हैं। अगर आपको ये लक्षण दिखें तो इन्हें नजरअंदाज करने की बजाय तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

वर्टिगो होने के कारण

कान की समस्याएं और सिर में चोट लगना वर्टिगो का कारण बन सकती हैं। कई दवाएं भी इसे ट्रिगर कर सकती हैं। इससे आपके कान के कामकाज प्रभावित हो सकते हैं। वेस्टिबुलर तंत्रिका में सूजन या दबाव और कान में जलन या सूजन की वजह से भी वर्टिगो हो सकता है। रक्त वाहिका संबंधी रोग, शराब का अधिक सेवन, मल्टीपल स्क्लेरोसिस (ऑटोइम्यून बीमारी), कैंसर और माइग्रेन जैसी बीमारियां भी वर्टिगो का कारण बन सकती हैं।

वर्टिगो के लिए प्रभावी इलाज

वर्टिगो का इलाज स्थिति पर निर्भर करता है। इससे ग्रस्त लोगों को पेशेवर डॉक्टर्स से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपके लक्षणों और आयु के आधार पर वर्टिगो का इलाज कर सकते हैं। कुछ दवाएं भी इसके लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकती हैं। अगर आपका वर्टिगो ब्रेन ट्यूमर या गर्दन की चोट के कारण है तो सर्जरी आवश्यक हो जाती है।

कई लोग मानते हैं कि वर्टिगो चक्कर आने जैसा ही है, जबकि ऐसा नहीं है। चक्कर आना और वर्टिगो अलग है। यह भी भ्रम है कि वर्टिगो केवल ऊंचाई से डरने वालों को होता है। ऊंचाई से डरने वाले लोग तनाव प्रतिक्रिया के रूप में वर्टिगो का अनुभव कर सकते हैं। हालांकि, दोनों स्थितियां अलग-अलग हैं।

गेंदे के फूल में है चमत्कारी गुण

शादी-त्योहारों पर गेंदा मुख्य रूप से सजावटी के लिए काम लिया जाता है। वहीं गेंदा के फूल सेहत व सौंदर्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर के किसी हिस्से में सूजन आ जाने पर इन फूलों को पीसकर पेस्ट बनाकर लगाने लाभकारी होता है, साथ ही अगर घर में मच्छरों का प्रकोप कम या दूर करना हो तो घर के आसपास गेंदे की झाडी लगाएं। इसकी गंध से मच्छर दूर भागते हैं।

चेहरे की मुंहासों करें गयाब- मृत त्वचा कोशिकाओं के कारण या ऑपन पोर्स में जमने वाले तेल के कारण आपके चेहरे पर मुंहासे हो सकते हैं। मुंहासों वाली जगत पर जलन या दर्द महसूस होना स्वाभाविक है। इस परेशानी से निजात पाने के लिए आप गेंदे के फूलों से बनने वाले उत्पादों का यूज कर सकते हैं।

गेंदे के फूलों से बनने वाले तेल से चेहरे की मालिश करने पर रक्त परिसंचरण में सुधार होता है। साथ ही गेंदे के तेल से मालिश करने से त्वचा में निखार आता है।

गेदा के फूलों का यूज भी मानसून में किया जा सकता है। मुट्ठी भर सूखे गेंदा के फूलों को 3 कप गरम पानी में हिमलाएं । 1 घंटा रखा रखने के बाद पानी से फूलों को निकाल लें। पानी को ठंडा होने दें और फिर लास्ट रिंस के तौर पर प्रयोग करें, ये प्राकृतिक कंडीशनर ऑयली हेयर के साथ-साथ डैंड्रफ के लिए भी अच्छे हैं।

चोट में कारगार- गेंदे के फूलों में मौजूद गंध तेल, आर्गेनिक एसिड व स्टेरोल्स घावों को भरते हैं। अगर बच्चे के खेलते में चोट लगे या फिर काम करते समय आपका हाथ कट जाए तो गेंदे के फूलों से बनी क्रीम को लगाने से आपको आराम मिलेगा।

बिहार में क्या हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे ?

विवेक शुक्ला

बिहार में विधानसभा चुनावों का दौर शुरू हो चुका है और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

सीमांचल पर विशेष ध्यान = अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

भाजपा के तरकश में कई तीर = भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 पये का वितरण, और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे?

मोदी और शाह का बिहार में दबदबा= बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। 2014 से अब तक भाजपा का सफर मोदी युग के नाम से जाना जाता है। यह केवल इसलिए नहीं कि भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ है, बल्कि इसलिए भी कि विश्व ने भारत को मोदी के भारत के रूप में देखना शुरू किया है। मोदी का व्यक्तित्व मेहनत, कुशल टीम और ठोस नियोजन का परिणाम है। 75 वर्ष की आयु में भी वह अपनी रणनीतिक समझ और संगठनात्मक कौशल से सबको प्रभावित करते हैं।

मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985-1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं।

बिहार में शाह की रणनीति = बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है। बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है, और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करना, और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है च्युइंग गम चबाना

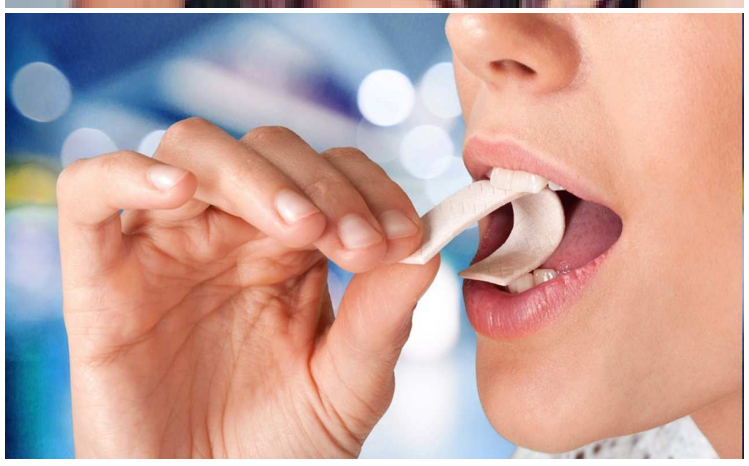

बहुत से लोग च्युइंग गम इसलिए चबाते हैं ताकि वह सांस की बदबू से छुटकारा पा सकें। वहीं कुछ ऐसे लोग भी हैं जो सिर्फ कूल दिखने के लिए च्युइंग गम चबाते हैं। हालांकि, हजारों साल पहले से इसका इस्तेमाल दांतों को साफ करने और भूख शांत करने के लिए होता आ रहा है। इसके अलावा भी च्युइंग गम चबाने के कई फायदे हैं, जिनके बारे में आप नहीं जानते होंगे तो आइए आज इससे जुड़े 5 फायदे जानते हैं।

याददाश्त में सुधार करने में है मददगार

च्युइंग गम चबाने से कमजोर याददाश्त में काफी हद तक सुधार होता है। दरअसल, यह मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे महत्वपूर्ण जानकारियां याद रखने में मदद मिलती है। प्रोफेसर एंड्रयू शोले ने अपने शोध में पाया कि च्युइंग गम चबाकर शॉर्ट-टर्म मेमोरी को 35 प्रतिशत तक सुधारा जा सकता है। इसके अलावा पुदीने और अनानास के स्वाद वाली च्युइंग गम ध्यान और कॉग्निटिव क्षमता को बढ़ाने के लिए मददगार होती हैं।

सीने की जलन को कम करने में है सहायक

एसिड रिफ्लक्स के कारण कई बार खाना खाने के बाद सीने में जलन या दर्द महसूस होने लगता है। इसके बचाव के लिए च्युइंग गम चबाया जा सकता है, क्योंकि यह निगलने की प्रक्रिया को तेज करता है और पेट से एसिड को साफ करता है। दरअसल, जब च्युइंग गम चबाया जाता है तो लार ज्यादा बनती है। इससे दांतों की सड़न और एसिड रिफ्लक्स के कारण होने वाली मुंह के स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से बचा जा सकता है।

उल्टी की समस्या को दूर करने में है कारगर

जब भी उल्टी या मिचली जैसा महसूस होता है तो ऐसे समय पर पुदीने वाली च्युइंग गम इससे राहत दिलाने में काफी मदद कर सकती है। एक अध्ययन के मुताबिक, जिन महिलाओं को सर्जरी के बाद बीमार और अजीब महसूस हुआ और उन्हें चबाने के लिए पेपरमिंट च्युइंग गम दिया गया, उन्हें उल्टी से राहत मिली। इसके अलावा मोशन सिकनेस के कारण पेट खराब होने पर शुगर-फ्री और अदरक के स्वाद वाली च्युइंग गम चबाना काफी प्रभावी है।

वजन कम करने में है प्रभावी

च्युइंग गम चबाने से रोजाना उपभोग की जाने वाली अतिरिक्त कैलोरी को आसानी से कम किया जा सकता है। इसे चबाने से बाहर का खाना खाने का मन कम हो जाता है, क्योंकि यह क्रेविंग को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा इससे भूख को भी नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलेगी। रोड आइलैंड विश्वविद्यालय के शोध के मुताबिक, जो लोग च्युइंग गम चबाते हैं, वे 67 प्रतिशत कम कैलोरी लेते हैं।

तनाव और चिंता को भी करती है कम

खराब जीवनशैली की वजह से तनाव और चिंता महसूस करना आम हो गया है। इससे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, च्युइंग गम चबाने से तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, जिन लोगों ने 14 दिनों तक दो बार च्युइंग गम चबाया है, उनकी चिंता उन लोगों की तुलना में काफी कम थी, जो च्युइंग गम नहीं चबाते थे।

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

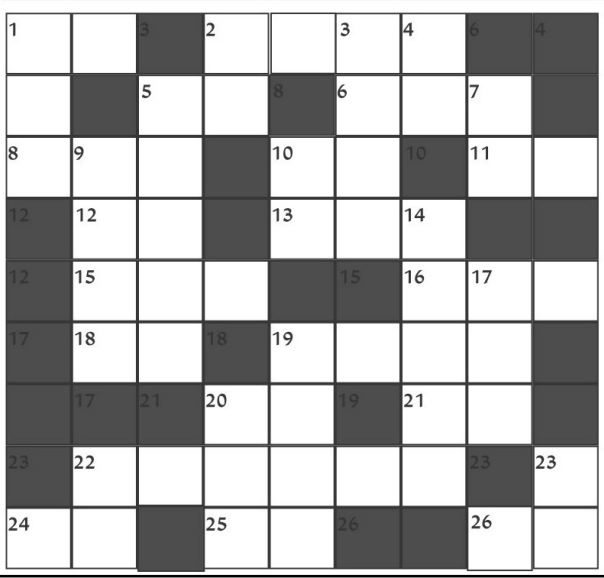

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में विद्या बालन की एंट्री

रजनीकांत ने अपने करियर में कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। उन्हीं में से एक है जेलर, जिसने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाई, बल्कि रजनीकांत के अंदाज ने भी सबका दिल जीत लिया। अब उनकी इस फिल्म के सीक्वल को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। नया अपडेट ये है कि फिल्म में अभिनेत्री विद्या बालन की एंट्री हो गई है और वो इसमें दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बेटी का किरदार निभाती दिखेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया, विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटी का किरदार निभा रही हैं। मिथुन फिल्म में मुख्य खलनायक हैं, जो रजनीकांत से भिड़ते दिखेंगे। फिल्म की शूटिंग फिलहाल चेन्नई में चल रही है और जनवरी तक इसका पोस्ट-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा।

नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बन रही फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज किया जा सकता है। फिल्म में बॉलीवुड से मिथुन के बाद अब विद्या की एंट्री हो गई है, जो दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। कोई शक नहीं कि विद्या की एंट्री फिल्म के लिए यूएसपी साबित हो सकती है। कुछ वक्त पहले यह भी कहा गया था कि इस बड़े बजट की एंटरटेनर फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी और बालाकृष्ण भी दिखाई देंगे।

विद्या आखिरी बार फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आईं थीं। मंजुलिका बन उन्हें डांस करते देखकर दर्शक खुश हो गए थे। फिल्म में विद्या के साथ माधुरी दीक्षित भी थीं। अब विद्या को जेलर 2 में देखा जाएगा। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही जेलर 2 काफी बड़े स्तर पर बन रही है, जिसके लिए रजनीकांत 200 करोड़ रुपये फीस के तौर पर ले रहे हैं। पहले भाग के लिए लिए उनकी फीस 100 करोड़ रुपये थी।

विद्या साल 2019 में नेरकोंडा पारवाई नाम की तमिल फिल्म में दिखी थी, जिसके हीरो अजित कुमार थे। इसके जरिए विद्या ने तमिल सिनेमा में एंट्री की थी। हालांकि, इस फिल्म में उनकी मेहमान भूमिका थी। जेलर 2 में उनका किरदार बेहद अहम होने वाला है। रजनीकांत की जेलर साल 2023 में रिलीज हुई थी। 200 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था।

प्रभास की नई फिल्म फौजी में संस्कृत श्लोक क्यों? निर्देशक हनु राघवपुडी ने बताई बड़ी वजह

फौजी इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक बन गई है। यह %बाहुबली' के बाद पहली बार होगा जब प्रभास एक पीरियड ड्रामा में नज़र आएंगे, जहां वो आज़ाद हिंद फौज के एक सैनिक का किरदार निभाते नजर आएंगे।

डायरेक्टर हनु राघवापुडी ने अपनी आने वाली फिल्म %फौजी' के बारे में बात की, जिसमें प्रभास लीड रोल में हैं। यह फिल्म भारत के आज़ादी से पहले के समय पर आधारित है और इसमें देशभक्ति, गहरी भावनाएं और जिंदगी के महत्वपूर्ण विचार देखने को मिलने वाले हैं।

कहते हैं कि कहानी को और असरदार बनाने के लिए राघवापुडी ने कहा, हमने जानबूझकर संस्कृत श्लोकों का इस्तेमाल किया क्योंकि ये हमारे योद्धा की कहानी में गहराई और अर्थ जोड़ते हैं, लेकिन यह कोई पौराणिक फिल्म नहीं है, हमने सिर्फ भगवद गीता से दार्शनिक प्रेरणा ली है, %फौजी' एक ताकतवर देशभक्ति ड्रामा है जो ब्रिटिश काल में इंसानी भावनाओं और सामाजिक-राजनीतिक तनावों को दिखाती है, जिनका असर आज भी दुनिया भर में महसूस किया जाता है।

डायरेक्टर हनु राघवपुड़ी, जो सीता रामम जैसी खूबसूरत फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, इस बार फौजी को एक बड़े पैमाने पर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म अपने मुख्य किरदार के साहस और उसके भीतर चल रहे संघर्षों को दिखाएगी। प्रभास, जो हाल के समय में अलग-अलग तरह के किरदार निभा रहे हैं, इस फिल्म में एक ऐसे जटिल किरदार में नजर आएंगे, जो अपने फर्ज, भावनाओं और विचारों के बीच उलझा हुआ है।

फौजी प्रभास की बाहुबली के बाद एक बार फिर शानदार पीरियड ड्रामा में वापसी का प्रतीक है, जो दर्शकों को भावनाओं और शानदार विजुअल्स से भरा अनुभव देने का वादा करती है।

इसे मैत्री मूवी मेकर्स की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में प्रभास, माइथ्री (पुष्पा मेकर्स) और हनु (सीता रमम डायरेक्टर) की जोड़ी एक साथ आई है, जिसे भारतीय सिनेमा में पीढ़ियों का संगम कहा जा रहा है। फिल्म के अगले साल कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है।

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बालीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है किस किस को प्यार करूं 2, जिसमें वह भारत के कामेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है। पारुल ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है।

इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कामेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं।

यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा। किस किस को प्यार करूं 2 में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर 23 अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा-तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी-मजाक और मनोरंजन होने वाला है।

फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 2015 में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म किस किस को प्यार करूं का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

मर्लिन मुनरो के स्टाइल को कापी करती नजर आई नेहा मलिक

नेहा मलिक भोजपुरी इंडस्ट्री की टाप अभिनेत्री में से एक हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हाटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इस नए लुक में व्हाइट रंग की पोल्का डाट शार्ट ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस नए लूक में नेहा मलिक ने कई सिजलिंग पोज दिए। नेहा का यह लूक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। नेहा मलिक ने अपनी इस शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा-आज मैं बहुत खुश हूं।

भोजपुरी इंडस्ट्री की हाट एंड बोल्ड क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कामेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फालोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ

डॉ. विभा नायक

नदियां किसी भी संस्कृति का प्राण तत्त्व हैं। विभिन्न संस्कृतियों के जन्म और उनके विकास का आधार यही नदियाँ हैं जो अपने अमृत से अपनी संततियों में जीवन रस का संचार करती हैं।

विश्व का इतिहास साक्षी है कि तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ है। नदियों के निकट की उर्वर भूमि, जल की निरंतर उपलब्धता, प्राकृतिक संपदा और संसाधन और इन सबसे प्रभावित और संतुलित ऋतु चक्र के कारण ही सभ्यताओं को फलने-फूलने के लिए सबसे उत्तम स्थान नदियों के किनारे ही मिला। यही कारण है कि प्रकृति एवं पंच शक्ति पूजक हम भारतीयों के लिए नदी केवल जल की एक धारा मात्र नहीं रही, बल्कि वह उस विराट मातृ शक्ति का रूप भी है, जिसका कार्य ही है अपनी संततियों का पालन और पोषण करना। किन्तु आज की स्थितियों में हम पाते हैं कि हमने नदियों से लिया तो बहुत कुछ है किन्तु बदले में उन्हें हम कुछ दे नहीं पाए हैं, सिवाय अस्वच्छता के।

भारत में 200 से अधिक छोटी बड़ी नदियाँ हैं। कुछ आँकड़ों के अनुसार यह संख्या 400 के आस पास है। जिनमें कुछ मुख्य और कुछ सहायक नदियाँ हैं तो कुछ छोटी और बरसाती नदियाँ हैं। इन नदियों का धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से बड़ा महत्व रहा है। कुम्भ स्नान, गणोश चतुर्थी, कार्तिक स्नान, मकर संक्रांति में डुबकी और छठ पर्व के अतिरिक्त विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नदियों की पूजा और उनमें डुबकी लगाने का विधान है, शुभ कार्यों, पूजन के भोग और पंचामृत में गंगा जल का क्या महत्व है, इससे तो सभी परिचित ही हैं तो मोक्ष प्राप्ति के लिए सनातन काल से अस्थि विसर्जन भी इन्हीं नदियों में ही होता आया है। सीधा सा अर्थ है कि भारतीय नदियों का संबंध भारत की सनातन चेतना, परंपरा और आस्था से तो है ही औद्योगिक और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इनका बहुत महत्व है।

किन्तु विगत कुछ वर्षों में देखा गया है कि तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास, घरेलू एवं कृषि क्षेत्र में बढ़ते दबावों के कारण जल की मांग अत्यधिक बढ़ी है, जिससे पेय जल की समस्या का संकट खड़ा तो हुआ ही है, जल की गुणवत्ता में भी कमी आई है। हमारी नदियाँ तीव्र गति से प्रदूषित हो रही हैं। विभिन्न खतरनाक तत्व जिसमें अमोनिया, नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे उर्वरक, डिटर्जेंट, तेल और हाइड्रोकार्बन, कैडमियम, पारा, सीसा जैसे रासायनिक कचरे, स्टायरोफोम, प्लास्टिक और पोलीथिन सम्मिलित हैं, नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार प्रतिदिन 60 प्रतिशत से अधिक अशोधित जल भी सीधे नदियों में जाता है। सीधी सी बात है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण का यह स्तर न केवल नदी की जैविकी को नुकसान पहुँचा रहा है बल्कि आम जन-जीवन को भी प्रभावित कर रहा है।

हालांकि भारत सरकार द्वारा नदियों के लिए कई योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं जिनमें राष्ट्रीय नदी संरक्षण, गंगा एक्शन प्लान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे, यमुना सफाई अभियान प्रमुख हैं किन्तु ये योजनाएँ तभी सफल हो सकती हैं, जबकि लोक चेतना और उसमें भी नारी शक्ति उससे जुड़ी हो। संभवत: इसी विचार से जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान का आरंभ किया।

जिसका आदर्श वाक्य है- जीवन के लिए पानी का सम्मान। चूँकि जल प्रबंधन का कार्य घरों में महिलाएँ ही संभालती हैं। जल के महत्व और उसका प्रबंधन स्त्रियाँ बहुत कुशलता से करती हैं, अत: जल संरक्षण का कार्य महिलाओं को सौंपा जाना सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस संबंध में सबसे अच्छी बात यह है कि इस योजना का उद्देश्य जल संरक्षण के क्षेत्र में स्त्रियों की भागीदारी को मान्यता देना, उन्हें जमीनी स्तर से आगे लाकर राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ना और इस प्रकार दूसरों को जल सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का क्रांतिकारी विचार भी सम्मिलित है। इसी योजना के अंतर्गत 36 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस संबंध में राष्ट्रपति डॉ द्रौपदी मुर्मू का कथन है कि-

देश में स्वच्छता अभियान और स्वच्छ पेय जल जैसी लोगों से जुड़ी देशव्यापी योजनाओं की सफलता में देश की महिला शक्ति की भूमिका अहम है और इस अभियान का आधार नारी है।

इसी योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशिक्षित और जागरूक भी किया जा रहा है, जिसका असर ज़मीनी स्तर पर भी देखा जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में भी देखें तो महिलाएँ प्लास्टिक और पॉलिथीन के प्रयोग से बचने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं। प्लास्टिक की बोतलें जो जल और समग्र प्रकृति के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं, महिलाएँ उनसे गुलदस्ते बनाकर कर स्व-रोजगार को भी बढ़ावा दे रही हैं। इसी प्रकार ग्रे वाटर प्रबंधन की व्यवस्था, जिससे नालियों से निकलने वाला पानी पीने के पानी को दूषित न करे और जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों जैसे यमुना की स्वच्छता में भी दिल्ली की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई स्वयं सेवी संस्थान जिनमें बड़ी संख्या में स्त्रियाँ भी हैं, महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

केवल इतना ही नहीं स्त्रियों के नेतृत्व में नदियों और जल प्रबंधन से सबंधित और भी कार्य हो रहे हैं, जिसका एक उदाहरण हैं भारतीय वैज्ञानिक डॉ नीलिमा गुप्ता, जिन्होंने लगभग चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लू एफ, एनजीटी को अपने शोध से परिचित कराया और इससे सम्बद्ध कई परियोजनाएँ भी संचालित कीं। नदियों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर उनका कहना है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण के कारण परजीवी बढ़ रहे हैं। जलीय जीवन इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिसका कुप्रभाव पर्यावरण और स्वास्थ्य के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है।

इसी प्रकार सी टू सोर्स गंगा नदी अभियान में भारत और बांग्लादेश में गंगा नदी में प्लास्टिक प्रदूषण का अध्ययन करने वाली महिला टीम भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भी नदियों विशेषकर गंगा में बढ़ते प्रदूषण और उसके कारण समुद्र में निरंतर बढ़ते प्लास्टिक और अन्य प्रकार के कचरे की ओर ध्यान दिलाना है, जिसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र और जलीय जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

कुल मिलाकर देखें तो नदियों की सुरक्षा और स्वच्छता की दिशा में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। किन्तु यह भी सच है कि यह अभी आरंभिक चरण में ही है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि स्त्री किसी भी परिवार और समाज की धुरी होती। सभी पर्व और त्योहारों के केंद्र में भी स्त्री की ही भूमिका रहती है, तो ऐसे में सामाजिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों में स्त्री यदि नेतृत्वकारी भूमिका में आती है तो निश्चय ही इसका स्वागत होना चाहिए और प्रयास यह भी होना चाहिए कि जल संरक्षण और प्रकृति से जुड़े विषयों में स्त्रियों की भागीदारी और बढ़ सके।

सू- दोकू क्र.045

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.44 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

किसानों की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है।

यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है।

भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वप्रा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है।

अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतज़ार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं।

अब उन्हें सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी।

इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के दूरगामी परिणाम अत्यंत सकारात्मक हो सकते हैं।

इस योजना से कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य साकार हो सकेगा। भंडारण और विपणन तंत्र के सशक्त होने से फसल की बर्बादी घटेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी, रोजगार सृजन बढ़ेगा और कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा। दीर्घकाल में यह योजना भारत को कृषि शक्ति से कृषि समृद्ध राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध होगी।(आरएनएस)

नदी-नालों को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारीः सीडीओ

हमारे संवाददाता

रूद्रपुर। जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने कहा कि जनपद में शतप्रतिशत सरकारी व निजी सीवर टैंक वाहनों का निकायों में पंजीकरण किया जाये व उनमे जीपीएस अवश्य लगवाये ताकि उनकी निगरानी की जा सकें। उन्होने कहा कि जो निजी सीवर टैंक वाहन पंजीकरण न कराकर कार्य कर रहे है उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए उन्हे सीज किया जाये।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि नदी नालों को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसलिए सीवर टैंक वाहन एसटीपी में ही सीवर डालें, अन्य जगह सीवर डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये। उन्होने निकाय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिस स्थान पर लोगों द्वारा नियमित कूड़ा डाला जा रहा उन स्थानो को चिन्हित कर फोटोग्राफ भेजे व उस स्थान पर सीसी टीवी कैमरा लगाये ताकि पता चल सकें की कौन लोग कूड़ा डाल रहे है। उन्होने कहा कि कूड़ा डालने वाले लोगों को चिन्हित कर चालान की कार्यवाही भी करें। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नगर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सड़क के किनारे कही भी कूड़ा नजर न आये इस हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। उन्होने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि औद्योगिक संस्थानों में नियमित निरीक्षण करें व बिना ट्रीट किये पानी यदि कोई नदी, नालों में पानी डालता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

उन्होने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जनपद में संचालित होटलों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये। उन्होने कहा जो होटल पंजीयन नही करा रहे है उन्हे नोटिस भेजने के निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने गंगा की सहायक नदी गौला व कोसी नदी के बाढ़ क्षेत्रों की जोनिंग करते हुए उनमे परिसम्पत्तियों का अंकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश सिंचाई विभाग के अभियंताओं को दिये। उन्होने चिकित्सालयों से प्रतिदिन निकलने वाला बायोमेडिकल वेस्ट का मानकों के अनुसार निस्तारण कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। उन्होने सभी विभागीय अधिकारियों को नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड लाइनों का अनुपालन करने के निर्देश दिये। बैठक में डीएफओ यूसी तिवारी, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम सुनील जोशी, सिंचाई एएस नेगी, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एसपी सिंह, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय गुरमीत सिंह, प्रियंका रैकवाल, प्रतिभा कोहली, दीपक कुमार शर्मा, मनोज दास, राकेश कोटिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

बस की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती की मौत

संवाददाता

देहरादून। बस की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती की मौत के मामले में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेन्द्र नगर निवासी संदीप सिंह रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन अपनी स्कूटी सो घर की तरफ आ रही थी जब वह खाण्ड गांव के पास पहुंची तभी पीछे से आ रही बस के चालक ने तेजी व लापरवाही से बस चलाते हुए उसकी बहन की स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला के घायल होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागेन्द्र सकलानी मार्ग निवासी सौरभ भटट ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी मां घर के बाहर टहल रही थी तभी तेज गति से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। मोटरसाईकिल सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तराखंड डीडीयू-जीकेवाई योजना में देशभर में अव्वलः जोशी

संवाददाता

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के क्रियान्वयन में उत्तराखंड विगत पाँच वर्षों से देश के 30 राज्यों में प्रथम स्थान पर रहा है।

आज यहां ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर सर्वे ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम, हाथीबड़कला में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा आयोजित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत एल्यूमी-2025 में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में योजना के अंतर्गत पूर्व में प्रशिक्षित एवं वर्तमान में रोजगाररत 150 से अधिक एल्यूमनी ने प्रतिभाग किया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि योजना के तहत राज्य को वर्ष 2019 से 2024 तक 26,800 युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया था। अब तक 26,000 से अधिक अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 21,000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत 19 सेक्टरों के 90 ट्रेड स्वीकृत हैं और वर्तमान में 1,119 अभ्यर्थी प्रशिक्षणरत हैं।

उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के क्रियान्वयन में उत्तराखंड विगत पाँच वर्षों से देश के 30 राज्यों में प्रथम स्थान पर रहा है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों और टीम को शाबाशी दी। मंत्री जोशी ने कहा कि एल्यूमनी मीट योजना का एक अभिन्न घटक है, जो न केवल प्रशिक्षित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने का अवसर देता है बल्कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर कई एल्यूमनी ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे नए प्रशिक्षु युवाओं को दिशा, आत्मविश्वास और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि डीडीयू-जीकेवाई योजना के तहत उत्तराखंड की कार्यप्रणाली और प्रदर्शन को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाता रहा है। कार्यक्रम के अंत में मंत्री जोशी ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के आदर्शों को आत्मसात करने का आव्हान किया और सभी प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयुक्त ग्राम्य विकास अनुराध ा पाल, एके राजपूत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुकान से जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। थानो रोड भानियावाला निवासी प्रतीक रस्तोगी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी क्षेत्र में सुनार की दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से चांदी के जेवरात व एक चांदी की गणेश लक्ष्मी की मूर्ति चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने चलाया वाहन चैकिंग अभियान

संवाददाता

उत्तरकाशी। थाना व यातायात पुलिस द्वारा चलाये गये चैकिंग अभियान में 32 वाहनों के चालान किये। आज यहां सडक दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में 9 नम्वबर 2025 को एसएचओ कोतवाली व उपनिरीक्षक यातायात के नेतृत्व में कोतवाली उत्तरकाशी एवं यातायात पुलिस की टीम द्वारा उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय के आस-पास वाहन चैकिंग अभियान चलाते हुये ओवर स्पीड, बाईक स्टंटिग, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना, बिना हेलमेट, सीटबेल्ट आदि यातायात नियमों का उलंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गयी। इस दौरान पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उलंघन करने वाले 32 लोगों के खिलाफ एमवी एक्ट के अन्तर्गत चालानी कर्रवाई की गयी, जिसमे 5 वाहन सीज किये गये हैं, 9 हजार रूपये का संयोजन शुल्क वसूला गया। चैकिंग के दौरान पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सडक सुरक्षा की महत्ता बताते हुये सभी को यातयात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गयी।

नियमित करने की मांग को लेकर उपनल कर्मियों का अनिश्चितकाली कार्य बहिष्कार

संवाददाता

देहरादून। नियमित करने की मांग को लेकर उपनल कर्मियों ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार कर परेड ग्राउंड में धरना प्रदर्शन किया।

आज यहां उपनल कर्मी उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया। धरने के दौरान जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्य सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों में उपनल कर्मचारी 15-20 वर्षो से निष्ठापूर्वक कार्य करते आ रहे हैं, अल्पवेतन में कर्मचारी अपने परिवार का भरण पोषण करने में असमर्थ हैं, किन्तु सरकार लगातार उपनल कर्मचारियों की उपेक्षा कर रही है। जबकि 23 मार्च 2025 को सरकार के तीन साल बेमिसाल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा उपनल कर्मियों को नियमित करने की घोषणा की गयी थी साथ ही उच्च न्यायालय

नैनीताल द्वारा वर्ष 2018 में प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत उपनल कर्मियों को नियमित करने एवं समान कार्य के समान वेतन देने का आदेश दिया गया था लेकिन तत्कालीन सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एक विशेष अपील (एसएलपी) दायर की गयी थी जोकि 6 वर्षो तक न्यायालय में विचाराधीन रहने के उपरान्त 15 अक्टूबर 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार द्वारा लगायी गयी विशेष अपील वाद को निराधार बताते हुए खारिज कर दी थी, किन्तु सरकार के स्तर से आतिथि तक कर्मचारियों के नियमितीकरण हेतु कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं की प्रोएक्टिव निगरानी करें अधिकारीः मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन ने गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस तथा राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा की गई सभी घोषणाओं का प्रथक- पृथक विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

आज यहां मुख्य सचिव ने संबंधित सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिलाधिकारियों को पूर्ण हो चुकी, गतिमान और किसी विशेष इश्यू के चलते अभी तक प्रारंभ नहीं की जा सकी ऐसी सभी सीएम घोषणाओं तथा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस तथा राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर की गई सभी घोषणाओं का प्रथक- पृथक विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने गतिमान घोषणाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति का अपडेट तीन दिवस की अवधि में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ऐसी घोषणाएं जिनको किसी भी प्रकार के इश्यू के चलते अभी तक प्रारंभ नहीं किया जा सका उनका विवरण कार्य प्रारंभ न करने का कारण बताते हुए सात दिवस की अवधि में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और राज्य स्थापना दिवस पर की गई मुख्यमंत्री घोषणाओं की सूची अलग से तैयार करें तथा उनको उच्च प्राथमिकता में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों और जिलाधिकारियों को कहा कि ऐसी घोषणाऐं जिनको तत्काल प्रारंभ करने में कोई इशू नहीं है उनके तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जिन घोषणाओं को प्रारंभ करने में कोई इशू है उनकी समस्या की प्रकृति बताते हुए उचित निराकरण हेतु प्रथम बार विभागीय सचिव स्तर से निस्तारित कराएं यदि सचिव स्तर पर निस्तारण नहीं हो पाता तो उन्होंने उनके स्तर पर निराकरण हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सचिव एस एन पांडेय को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति तेजी से पूरी हो इसके लिए निगरानी का प्रभावी मेकैनिज्म बनाएं तथा जिन विभागों की जिस घोषणा में प्रगति संतोषजनक न हो उनको व्यक्तिगत अथवा दैनिक रूटीन से अवगत कराते हुए उसकी प्रगति बढ़ाएं। मुख्यमंत्री की कुल 3575 घोषणाओं में से 2215 घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं, 777 पर कार्रवाई गतिमान हैं तथा 583 घोषणाएं अपूर्ण हैं। बैठक में अपर सचिव नवनीत पांडेय व जगदीश कांडपाल, उपसचिव हीरा सिंह बसेड़ा, आर सी शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम के आदेश पर 13 घटे बैरियर मुक्त रहा लच्छीवाला टोल प्लाजा!

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड रजत जयंती के अवसर पर देहरादून एफआरआई परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिगत जिला प्रशासन देहरादून ने चाक चौबंद व्यवस्थाएं की। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों शहर तथा आसपास जाम की स्थिति ना बने

इसके लिए जिलाधिकारी ने लच्छीवाला टोल प्लाजा को राज्य स्थापना दिवस के दिन 9 नवंबर को प्रातः 5:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक खुला रखने के आदेश दिए । जिसके फलस्वरुप इस दौरान किसी भी निजी, कमर्शियल व अन्य वाहनों का टोल टैक्स नहीं काटा गया। रविवार प्रातः पांच बजे से लेकर शाम छह बजे तक टोल प्लाजा से वाहनों का निःशुल्क आवागमन हुआ।

जिलाधिकारी के निर्देश पर टोल प्लाजा निःशुल्क रखा गया है। प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सीमावर्ती व पर्वतीय जनपदों से बसे एवं निजी वाहनों के अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पहुंचने के चलते टोल प्लाजा पर जाम की स्थिति न बने तथा शहर को जाम मुक्त रखा जाए तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाने जाने को लेकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुबह पांच बजे से लेकर शाम छह बजे तक टोल प्लाजा को निश्शुल्क रूप से खुला रखने के आदेश दिए गए थे। इस अवधि में फास्ट टैग से भी किसी प्रकार का कोई टोल नहीं वसूला गया है। शाम छह बजे के बाद नियमित रूप से टोल कटना प्रारंभ हो गया था।

धारदार चाकू सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात थाना सिडकुल पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस लेबर चौक के समीप पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल पुत्र छत्रपाल निवासी शाहपुरलाल भीमपुर दीपा जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल पता रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

दो हाथियों ने स्कूल बस को घेरा, मची अफरा-तफरी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में आज सुबह जंगली हाथियों के जमकर उत्पात मचाने से अफरा तफरी फैल गयी। दो हाथियों ने इस दौरान काफी तोड़फोड़ की और एक स्कूल बस को दोनो ओर से घेर लिया जिसके चलते बच्चे सहमी हालत में नजर आयें। हालांकि सूचना मिलने पर भी वन विभाग की टीमें मौके पर न पहुंच पाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार लक्सर रोड पर आज सुबह दो जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। बताया जा रहा है कि आज सुबह मिस्सरपुर गांव के पास दो हाथी जंगल से निकलकर आबादी में आ धमके और उन्होने सड़क पर ट्रैफिक रोक लिया और काफी देर तक चहल कदमी करते रहे। इस दौरान हाथियों ने स्कूली बच्चों से भरी एक स्कूल बस को भी दोनों ओर से घेर लिया। विशालकाय हाथियों को देख कर स्कूली बच्चे सहम गए। इतना ही नहीं हाथियों ने सड़क पर मूंगफली की दुकान के लिए बनाए गए एक छप्पर को भी तहस-नहस कर तोड़ डाला। हाथियों के उत्पात को देखकर काफी देर तक लोगों के बीच अफरा तफरी मची रही। थोड़ी देर बाद हाथी हाईवे से निकलकर जंगल की ओर चले गए। इस दौरान कोई भी वनकर्मी मौके पर नजर नहीं आया जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि इस इलाके में आए दिन जंगली हाथी आ रहे हैं और लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा, दो गिरफ्तार माल बरामद

नेपाल की टिकट रद्द, अब जेल की बुकिंग पक्की!

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। चोरी की तीन अलग-अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराया गया माल भी बरामद हुआ है। आरोपी एक और चोरी की घटना को अंजाम देकर नेपाल भागने की फिराक में थे।

जानकारी के अनुसार बीते 7 नवम्बर को ऐंचोली निवासी देवकी नन्दन भट्ट द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी हार्डवेयर की दुकान से अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर टैबलेट व नगदी चोरी कर ली है। उसी दिन नाचनी निवासी आनन्द बल्लभ जोशी ने अपनी सिल्थाम स्थित शराब भट्टी से 8 केन बीयर, 14 हजार नगद एवं कुछ दस्तावेज चोरी होने की सूचना दी। इसके अतिरिक्त, 8 नवम्बर 2025 को ही अल्मोड़ा निवासी मनोज नेगी ने बिण स्थित शराब भट्टी से 2 केस (8 बीयर), नगदी एवं दस्तावेज चोरी होने की तहरीर दी।

मामलो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती रात सूचना मिली कि उक्त चोरियों में शामिल चोर क्षेत्र में देखे गये है तथा वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान ऐंचोली क्षेत्र से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अशोक पुन, पुत्र चन्द्ररूप पुन, निवासी हुमला (नेपाल), व खेमराज पुन, पुत्र रूद्रलाल पुन, निवासी हुमला (नेपाल) बताया।पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद किया है।

साथ ही बिना सत्यापन के उपरोक्त दोनों नेपाली आरोपियों को किराये पर रखने पर मकान मालिक महेन्द्र सिंह धोनी निवासी ऐंचोली के खिलाफ 10 हजार का कोर्ट चालान भी जारी किया गया है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मैजिक वाहन (यू.के.07 पीए-5339) जिसका परमिट नम्बर (यू.के. 2023-एससी-0630ए) है जो कि रायपुर से देहरादून आते हुए 22.9.2025 को कहीं खो गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को मिले कृपया निम्न पते पर पहुंचाने की कृपा करें।

श्रीमती मंजू लता
पत्नी हरिन्द्र सिंह मलिक
निवासी-क्यू-75/ 04 ओ.एफ.डी.
स्टेट रायपुर देहरादून, उत्तराखण्ड

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।